प्रेषक

डॉ**०एम०सी० जोशी**, अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।

संवा में.

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, नन्दप्रयाग,गोचर,कीर्तिनगर,डोईवाला,झबरेडा एवं लक्सर, उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादूनःदिनांकः २८ भार्च, 2009

विषय:—द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वितीय वर्ष 2008—09 हेतु नगर पंचायतों को धनराशि का संक्रमण (चतुर्थ त्रैमास किश्त हेतु)।

महोदय.

उपर्युक्त विषयक शासनादेश स0-48/XXVII(1)/2009 दिनांक 20 जनवरी,2009 का सन्दर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा उक्त शासनादेश के संलग्नानुसार समस्त नगर पंचायतों को राज्य को दिन्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत विन्तीय वर्ष 2008-09 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी से मार्च) हेतु रू० 17166931.00 (रू० एक करोड़ इकहत्तर लाख छियासठ हजार नौ सौ इक्तीश मात्र) अवमुक्त की गई थी। 12वाँ विन्त आयोग की संस्तुतियों पर नगर पंचायतों को विन्तीय वर्ष 2005-06. 2006-07 तथा 2007-08 में अवमुक्त घनराशि उपयोगिता प्रमाण-पन ना मिलने के कारण उनको देय समनुदेशन से समायोजित किया गया था।

2- इस सम्बंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 12वाँ वित्त आयोग की सरनुतियों के अन्तर्गत निकायों को अवमुक्त धनराशि के उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रापा हो जाने के कारण रोकी गई धनराशि रू0 4114848.00 (रू0 इक्तालीस लाख चौदह हजार आठ सौ अडतालीस मात्र) संलग्न विवरण के अनुसार अवमुक्त करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करने हैं।

3-अवमुक्त की जा रही धनराशि शासनादेश सं0-48/XXVII(1)/2009 दिनांक 20 जनवरी,2009 में उल्लिखित शर्तों के अधीन ही व्यय की जायेगी। 4-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेतर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायतं/नोटीफाइड एरिया/कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करों से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

रांलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय अपर सचिव, वित्स

संख्या:-221 (1)/XXVII(1)/2009 तद्दिनांक।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः –

1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।

2- सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।

3- मण्डलायुक्त, गढवाल/कुमायूँ, उत्तराखण्ड।

4- निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

5— जिलाधिकारी, चमोली/देहरादून, हरिद्वार /टिहरी गढवाल, उत्तराखण्ड।

6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।

7- मुख्य / वरिष्ठ / कोषाधिकारी, चमोली / देहरादून, हरिद्वार / टिहरी गढवाल... चल्तराखण्ड।

 विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/विष्ठ लेखाधिकरी/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।

9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।

10-एन० आई०सी०, सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,

(डॉ०एम०री० जोशी)

अपर सचिव, वित्त

शासनादेश संख्याः 3.01 /XXVII (i) / 2009 दिनांकः 23 :मार्च 2009 का संलग्नक।

हितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पंचायतों को चतुर्थ त्रैमास से सेकी गई धनराशि का संकमण।

(धनसशि कं वे उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त होने के उपरान्त जारी की जा रही धनराशि	अवमुक्त धनराशि 4	राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर वर्ष 2008-09 हेतु चतुर्थ किश्त हेतु देय संक्रमण	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	0170
26626)	204740	471000	नन्दप्रसाग	1-
116501	1281386	2449000	गोधर	2-
₹ त 198€	Inelli	471000	कीर्तिनगर	<u>}</u> -
\$\$769r	148110	906000	लाईवाला -	
[31701]	870969	2188600	लयसर	5-
503364	231636	735000	इधरं डा	6-
4114848.00	3105152.00	7220000.00	योग	

(क0 इक्तालीस लाख चौदह हजार आठ सौ अडवालीस मात्र)

(डॉठएमठसीठ जोशी) अपर सिंच चिला।